जी बी मोदी स्कूल में मेघावी विद्यार्थियों का सम्मान

फोटो : रामनिवास सोनी

माई झुं. 8 जुलाई। शहर के रोड़ नम्बर एक स्थित जीबी मोदी उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर स्कूल में बुधवार को आयोजित एक समारोह में कक्षा दस के मेघावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य एस एस कुकरेती एवं प्रधानाचार्या श्रीमती मंजू खंडेवाल ने बताया कि समारोह में कक्षा दस में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान रहने वाली छात्रा अपूर्वा अग्रवाल, कौमुदी मिश्रा तथा दीपा चौमाल को समाजसेवी श्रीमती विद्या अग्रवाल ने उपहार देकर पुरस्कृत किया। उन्होंने बताया कि इस सत्र में कक्षा दस के कुल 27 विद्यार्थियों में से दो ने 90 प्रतिशत,17 ने 80 प्रतिशत से अधिक तथा 8 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल की छात्र अपूर्वा अग्रवाल व कौमुदी मिश्रा हांलाकि मैरिट से 1.5 प्रतिशत अंकों के कारण वंचित रह गए पर राज्य में क्रमशः 23 व 24 वां स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली।

संस्था सचिव बी. के. अग्रवाल व स्कूल शिक्षा अधिकारी आर.पी. सिंह सहित श्रीमती प्रमिला शर्मा ने बेजोड़ परीक्षा परिणाम देने पर स्टाफ व विद्यार्थियों को शुभकामनाए देते हुए मिठाई बांटी। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली अन्य विद्यार्थियों को भी श्रीमती अग्रवाल ने उपहार देकर सम्मानित किया गया।

भारत-नेपाल के संबंध आज भी मधुर - नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानन्द झा

माई झुं.न्यूज। नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानन्द झा ने कहा है कि भारत-नेपाल के संबंध आज भी मधुर है। इनके संबंधों में कटुता की बात हो ही नहीं सकती। उपराष्ट्रपति यहां निजी यात्रा पर आए हुए राणी शक्ति मंदिर के दर्शन करने के बाद पत्रकारो से उन्होने कहा कि नेपाल में तीन-चार सालों में राजनीतिक अस्थिरता रही है।

इस अस्थिरता के चलते वहां जनयुद्ध शुरू हो गया और भारत से व्यापार करने के लिए आए लोग स्वत ही नेपाल छोड़कर चले गए। इस प्रकार की घटनाओं को कटुता की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। व्यापार करने के लिए आए लोगों को शांति व सुरक्षा चाहिए होती है, जो आज भी यहां कायम है। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर प्रबंधन की भी प्रशंसा की। मंदिर के दर्शन करने के बाद वे जयपुर की और रवाना हो गए। उनके साथ मित्र सीताराम वर्मा, प्रकाश दुग्ड, पर्सनल सेक्रेटरी कृष्णदेव यादव, कर्नल पूर्ण थापा भी थे। नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानन्द झा सर्किट हाऊस में कुछ समय के लिए रूके। यहां से राणी शक्ति मंदिर के दर्शन के लिए रवाना होते समय पुलिस के जवानों ने उन्हे सलामी दी। उपखण्ड अधिकारी नरेन्द्र कुमार कोठारी व पुलिस उप अधीक्षक ने अगवानी की। उपराष्ट्रपति झा के मंदिर पहुंचते ही मंदिर के प्रभुदयालय शर्मा व सुरक्षा गार्डो ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने माता के दर्शन किए तथा पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर के फेरी लगाकर देश में अमन और चैन की दुआ की।

मंदिर प्रबंधन ने उपराष्ट्रपति को प्रसाद दिया। उपराष्ट्रपति झा ने पूजा अर्चना के बाद मंदिर में चित्रित सती के इतिहास को निहारा। मंदिर के प्रभुदयाल शर्मा ने राणी सती मंदिर के इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने चित्रित इतिहास को देखकर कहा कि वास्तव में यहां का इतिहास रोचक है।

कारगिल शहीदों को याद किया

झुंझुनूं, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस पर शहर में रविवार को ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में कारगिल शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी गई। इस मौके पर अन्य शहीदों के साथ ब्राह्मण समाज से जुड़े शहीद प्रदीप शर्मा, शहीद धनवंत शर्मा एवं मनोहर पारीक को भी नमन करते हुए समाज के युवाओं को इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। ब्राह्मण समाज का गौरवशाली इतिहास रहा। वक्ताओं ने इस सदर्भ में मंगल पांडे तथा प्रथम परमवीर च्रक विजेता सोमनाथ शर्मा का उदाहरण दिया। इस मौके पर ब्राह्मण आरक्षण मंच के जिलाध्यक्ष पवन पुजारी, महासभा के जिलाध्यक्ष दयाशंकर बावलिया सहित उमाशंकर महमिया, सुशील जोशी, ममता शर्मा, रामगोपाल शर्मा, रामनारायण मिश्रा, टेकचंद शर्मा, संजय पारीक, कृपाशंकर बावलिया, पुरूषोत्तम ठेकेदार, मुकेश चौरासिया, आदि वक्ताओं ने विचार रखे।

एस् एस् मोदी परिसर में हुई अर्न्तविद्यालयी प्रतियोगिता

माई झु.न्यूज। स्थानीय एस् एस् मोदी ऱोड न् २ परिसर में स्कूल निदेशक अनिता बसंल के निर्देशन में कक्षा १ से ५ तक साज सज्जा एवं कक्षा ६ से ८ तक कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में एस् एस् मोदी एज्यकेशन ट्रस्ट के तीनों विद्यालयों एस् एस् मोदी विद्या विहार, केम्ब्रिज स्कूल, पब्लिक स्कूल ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का परिणाम विद्या विहार प्राचार्या रश्मि शेखावत, केम्ब्रिज स्कूल प्राचार्या स्नेहलता शेखावत, पब्लिक स्कूल प्राचार्या रीना कपूर की मौजूदगी में सुनाया गया जिसका परिणाम इस प्रकार रहा - साज सज्जा प्रतियोगिता में केम्ब्रिज स्कूल की तीनों कक्षाये कक्षा १, ४, ५ विजेता रही। कहानी सुनाओं प्रतियोगिता में विद्या विहार स्कूल प्रथम, केम्ब्रिज स्कूल द्वितीय, पब्लिक स्कूल तृतीय रही।

अंत में निदेशक अनिता बसंल ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया।

झुंझुनूं इन्टरनेशनल में ड्राइंग एवं कबड्डी का आयोजन

माई झुं, 25 जुलाई। जिवेम समूह के मोदी रोड़ स्थित झुंझुनूं इंटरनेशनल स्कूल में सटरडे एक्टीविटी के अन्तर्गत इंटर हाउस कॉम्पटीशन के रूप में नेप्च्यून हाउस में ड्राइंग एवं कबड्डी का आयोजन किया जिसमें नेप्च्यून मरक्यूरी वीनस और जुपीटर हाउस के छात्र-छात्राओं ने पूरी तैयारी के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एस् एस् मोदी केम्ब्रिज स्कूल में हुई समाज सेवा कार्यशाला

माई झुं. न्यूज। एस. एस. मोदी केम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल झुन्झुनू के बच्चों ने आज समाज सेवा की कार्यशाला में बढ चढ कर हिस्सा लिया। कार्यशाला राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल में डॉ एल के शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बच्चों ने ब्लड बैंक जाकर वहां की जानकारी ली। बच्चों ने शिक्षक मनोरंजन बाल, प्रीति शर्मा, कमल शर्मा, सुशील वर्मा, अनिता चौधरी के साथ जनरल वार्ड में जाकर सभी मरीजों को फल एवं बिस्किट वितरित किये। बच्चों ने सोनोग्राफी लेब में श्री जितेन्द्र बुडानिया के नेतृत्व में सोनोग्राफी एवं सोनोग्राफी करने की विधि की जानकारी ली। एल के शर्मा ने बताया कि अस्पताल में अभी भी हरियाली की आवश्यकता है इसको मद्देजनर रखते हुये विद्यालय के बच्चों ने संकल्प लिया की हम सभी एक एक पौधा अस्पताल में लगायेंगे। संस्था निदेशक अनिता बसंल एवं प्राचार्या स्नेहलता शेखावत ने संयुक्त जानकारी देते हुये कहा कि भविष्य में भी ऐसी कार्यशालायें आयोजित की जाती रहेंगी।

श्री हरि अगस्त 09 के व्रतोत्सव पर्वों का संक्षिप्त विवरण

माई झुं.। इस वर्ष अगस्त माह श्रावण शुक्ला एकादशी शनिवार से प्रारम्भ हो रहा है। एक अगस्त शनिवार को पवित्रा नामक एकादशी सब सम्प्रदायों के लिए है। एकादशी व्रत को यदि व्रतराज कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। धर्मग्रंथों में एकादशी के उपवास का भारी माहाम्य लिखा है। कहा गया है कि इस दिन अन्न में सभी पाप निवास करते हैं, अतः एकादशी में भोजन करने वाला व्यक्ति महापापों का भोक्ता होता है। यहां हम स्पष्ट कर दें कि स्मार्त एवं वैष्णव सम्प्रदायों के अनुसार एकादशीव्रत के तिथि निर्णय नियम प्रथक प्रथक हैं। वैष्णव शब्द का प्रयोग धर्म शास्त्रकारों ने यतियों सन्यासियों के लिए किया है। जिन लोगों ने किसी वैष्णव सन्यासी गुरू से वैरवानस नारद, पंचरात्रादि आगमोक्त विधि से दीक्षा ली है वे भी वैष्णव हैं। वैष्णवों के एकादशी व्रत वाले दिन ही विधवाओं का भी एकादशी व्रत माना गया है क्योंकि विधवाओं को शारत्रकारों ने सन्यासियों की श्रेणी में माना है।

स्मार्त शब्द का प्रयोग शास्त्रकारों ने गृहस्थियों के लिए किया है अतः सभी गृहस्थी लोग जो वैष्णव सम्प्रदाय में दीक्षित नहीं है वे स्मार्त कहलाते हैं। अतः स्मार्तों की एकादशी वाले दिन एवं वैष्णवों की एकादशी वाले दिन वैष्णवों को एकादशी व्रत करना चाहिए।

रक्षाबंधन पर्व- इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व 5 अगस्त बुधवार को है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को रक्षा बंधन मनाया जाता है। इसमें अपरान्ह व्यापिनी तिथि ली जाती है। यदि वह दो दिन हो या दोनों ही दिन अपराह्ण व्यापिनी ने हो तो पूर्वा ले लेनी चाहिए। यदि उस दिन भद्रा हो तो उसका त्याग कर देना चाहिए। भद्रा में श्रावणी एवं फाल्गुनी-होलिका दहन दोनों वर्जित हैं क्योंकि श्रावणी राजा से राजा का और फाल्गुनी से प्रज्ञा का अनिष्ट होता है। व्रती को चाहिए कि प्रातः सविधि स्नान करके देव पितर और ऋषियों का तर्पण करे। दोपहर के बाद गोबर से लिपे स्थान पर कलश स्थापन करके उस पर रेशमी पीत वस्त्र रक्षा सूत्र रखकर उनकी पूजा कर फिर ब्राह्मण से रक्षासूत्र बंधवावे। ब्राह्मण इस प्रकार बोले

येन ब्रद्धोबलिराजा दानवेन्द्रों महाबल।
तेन त्वामनुबन्धनामि रक्षे मा चल मा चल॥

रक्षा पूर्णिमा के दिन घरों की देहलियों द्वारा पर मातृ भक्त श्रवण की आकृति अंकित करके उसकी पूजा भी की जाती है तथा बहिने भाइयों के रक्षा बंधन करती हैं। इस प्रकार यह देव पूजा के साथ साथ मातृपितृ भक्त श्रवण की पूजा भाई बहिनों के विशुद्ध प्रेम की अभिव्यक्ति का पर्व है। प्राचीन काल में दानवों के द्वारा पराजित होने पर इद्रपत्नी शची ने विजय प्रयाण के समय इन्द्र के रक्षा सूत्र बांधा था।

भगवान वामन बलि के दान से प्रभावित होकर वरदान स्वरूप बलि को पाताल का स्वामी बनाकर स्वयं उसमें द्वारपाल बन गये थे तब लक्ष्मीजी ने बलि के रक्षासूत्र बांधकर बांधकर बदले में भगवान विष्णु को छुड़ाया था। ऐसी अनेक पौराणिक कथाएं रक्षाबंधन के पर्व से संपृक्त हैं। इस दिन रक्षा बंधन पांच अगस्त का प्रदोष के उत्तरार्द्ध में साढे पांच में लगभग प्रशस्त काल की है तथा ऋक उपाकर्म श्रवण घनिष्ठा योग प्रशस्त्याछयक है जो 6 अगस्त को उपाकर्म ऋग्वेदी लोग करेंगे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी - स्मार्तों की कृष्ण जन्माष्टमी व्रत 13 अगस्त गुरूवार को अष्टमी में होगा जबकि वैष्णवों का व्रत 14 अगस्त शुक्रवार को नवमी तिथि एवं रोहिणी नक्षत्र मुक्ता में होगा। सरकारी उत्सव वृन्दावन के हिसाब से 14 अगस्त शुक्रवार को ही मनाया जाता है क्योंकि यहां वृन्दावन में वॅष्णव परम्परा है।

साधारणया इस व्रत के विषय में दो मत हैं। स्मार्त लोग अर्द्धरात्रि का स्पर्श होने पर या रोहिणी नक्षत्र का योग होने पर सप्तमी सहित अष्टमी में भी उपवास करते हैं किन्तु वैष्णव लोग सप्तमी का किंचिन्मात्र स्पर्श होने पर द्वितीय दिवस ही उपवास करते हैं। निम्बार्क सम्प्रदायी वैष्णव तो पूर्व दिन अर्द्धरात्रि से यदि कुछ पल भी सप्तमी अधिक हो तो भी अष्टमी को न करके नवमी में ही उपवास करते हैं। शेष वैष्णवों में उदय व्यापिनी अष्टमी एवं रोहिणी नक्षत्र को ही मान्यता एवं प्रधानता दी जाती है। इस दिन प्रातःकाल उठकर स्नानादि नित्यकर्म से निवृत होकर व्रत का संकल्प करें। इस दिन केले के खम्भे आम अथवा अशोक के पल्लवादि से घर का द्वारा सजाना चाहिए। दरवाजे पर मंगल कलश एवं मूसल स्थापित करें। रात्रि में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति अथवा शाल ग्राम जी को विधि पूर्वक पंचामृत से स्नान कराकर षोड शोपचार से विष्णुपूजन करना चाहिए। ऊ नमो भगवते वासुदेवाय। इस मंत्र से पूजन कर वस्त्रालंकार आदि से सुसज्जित करके भगवान को सुंदर सजे हिंडोले में प्रतिष्ठित करें। धूप दीप अन्न रहित नैवेद्य तथा प्रसूति के समय सेवनीय सुरचादु मिष्टान्न फलादि से भगवान को नैवेद्य अर्पण करें। रात्रि के बारह बजे गर्भ से जन्म लेने के प्रतीक स्वरूप खीरा फोड़कर भगवान का जन्म कराये एवं जन्मोत्सव मनाये। जन्मोत्सव के पश्चात कर्पूरादि प्रज्जवलित कर समवेत स्वर से भगवान की आरती, स्तुतिगान करें। बहुधा लोग फलाहार करते हैं कुछ पूर्ण उपवास करते हैं।

जन्माष्टमी के पश्चात गोकुलाष्टमी नम्दमहोत्सव गुग्गानवमी 15 अगस्त को है। 16 अगस्त की सूर्य की सिंह संक्रांति 15 मुहुर्ती व्यापारिक तेजी कारक है एवं इसका पुण्यकाल मध्याहनोतर है। इसी दिन स्मार्तों की अजाएकादशी है तथा वैष्णवों की एकादशी 17 अगस्त को है। यहां एकादशी का क्षय हुआ है।

20 अगस्त को कुशोत्पाटिनी अमावस्या रानी सती पूजा पर्व है। यही पिठोरी अमावस्या है। 22 अगस्त से शरद ऋतु का प्रारम्भ सूर्य सायन कन्या राशि में प्रविष्ट होंगे। यह समय मंत्र साधना के लिए प्रशस्त है।

23 अगस्त को शक भाद्रपद प्रारम्भ हरि तालिका तृतीया गौरी तृतीया व्रत तथा सिद्धि विनायक व्रत गणेश चतुर्थी चतड़ा चौथ कलंक चतुर्थी निषेध रहेगा। गणेशोत्सव गणपति वप्पा मोरिया के नाद का गुंजन होगा। मध्याह्न में गणेश जन्म एवं गणेश पूजा द्वारा गणेशों के सिंदुरालेपन जनेऊ चढाना नैवेद्य चढावा आदि कार्य होंगे।

24 अगस्त को जैन सम्प्रदाय का पर्व संवत्सरी महापर्व मनाया जावेगा। यह भाद्र पद शुक्ला पंचमी को है। यहां ऋषि पंचमी का व्रत भी है। 27 अगस्त भाद्रपद शुक्ला अष्टमी को राधाजी का प्रादुर्भाव प्राकट्य एवं राधाष्टमी महालक्ष्मी व्रतारम्भ होंगे। श्री दुर्वाष्टमी व्रत भी इसी दिन होगा।

31 अगस्त को सोमवार को पद्म एकादशी व्रत सबका होगी।

पंडित महावीर प्रसाद पारीक
एम ए संस्कृत बीदासर 9460513758

श्रीमती उषा तुलस्यान को श्रृद्धांजली

माई झु. न्यूज 29 जून। झुंझुनूं निवासी श्रीमती उषा तुलस्यान धर्मपत्नी दीपक तुलस्यान-सुपुत्र आत्माराम तुलस्यान, सुपोत्र स्व. श्री बिलासराय तुलस्यान का जयपुर लालकोठी इलाके स्थित पंकजसिंह मार्ग पर इन्डो वेस्टर्न बेन एण्ड स्पाइन हॉस्पिटल में उपचार के दौरान सोमवार को देहावसान हो गया।

श्रीमती उषा का जन्म 20 दिसम्बर 73 को हुआ था तथा 24 जनवरी 97 को दीपक के साथ परिणय बंधन में बंधी के दो पुत्र स्वपनिल-नौ वर्ष एवं रचीत पांच वर्ष हैं। हंसमुख, मिलनसार तथा अपने पढाई कार्यकाल के दौरान खेलकूद प्रतियोगिता में राज्य स्तर तक सम्मानित महिला खिलाड़ी रही थी। अम्बाबाड़ी टैगोर पब्लिक स्कूल में पढ रहे स्वपनिल कक्षा 6 एवं रचित कक्षा 1 से मां का साया उठ गया। श्रीमती उषा के श्वसुर आत्माराम तुलस्यान ने श्रीमती उषा की मौत के बारे में भरे गले से यूं बताया कि गीरने की वजह से दर्द हो रहा था तथा डॉ. कमल गोयल को दिखाने पर अस्पताल में भरती कर लिया जहां उपचार के दौरान डॉक्टर ने लापरवाही बरती, उन्हें यथास्थिति से परे रखा, बार बार फोन पर भी मुख्य डॉक्टर ने नहीं सम्भाला, जुनियर डाक्टरों ने ईलाज में कोताही बरती गयी जिससे उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार अस्पताल में उक्त घटना से परिजन आक्रोश में आ गये तथा चिकित्सकों एवं परिजनों के मध्य काफी वाद विवाद हुआ इस पर सीओ अशोकनगर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाईस के पश्चाच मामला शान्त हुआ। परिजनों द्वारा बगैर रिपोर्ट दर्ज कराये शव का दाहसंस्कार कर दिया गया। हम श्रीमती उषा तुलस्यान के आकस्मिक निधन पर अपनी हार्दिक श्रृद्धांजली अर्पित करते हुए शोक सन्तप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

ललित माहेश्वरी ने किया पौधारोपण कार्यक्रम का शुभांरभ

झुंझुनूं,26 जुलाई। महावीर इंटरनेशनल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को उमर कुरैशी के आर्थिक सहयोग से चूरू रोड स्थित श्री डॉटस चिल्ड्रन एकेडमी परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने स्कूल में फल एवं छायादार 150 पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित माहेश्वरी ने पौधा लगाकर किया। अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष पीएल शर्मा ने की।

विशिष्ट अतिथि बीके अग्रवाल थे। मुख्य अतिथि माहेश्वरी ने कहा कि पेड़ की छांव एवं हवा मानव जीवन के लिए बड़ी उपयोगी है। पेड़ो को लगाने के अलावा उनकी देखभाल करना भी जरूरी है। साथ ही मान नगर स्थित क्लब के पास मातेश टीबड़ा की अगवाई में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। क्लब कार्यकर्ताओं ने हरित राजस्थान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाध्यपक नुजहत खान, गोविंद कुमावत, शिवप्रसाद महर्षि,पार्षद कालूराम खींची, संजय शर्मा, जाहिद अली खोखर, हरदयाल सिंह आदि उपस्थित थे।

फोटो : रामनिवास सोनी

मृतक फोटोग्राफर की पत्नी को सहायता राशि दी

फोटो : रामनिवास सोनी

माई झुं.न्यूज। झुंझुनूं शहर के चुणा चौक स्थित अर्चना फोटो स्टूडियो के प्रोपराईटर उमेश शर्मा पंडित आकस्मिक निधन होने पर झुंझुनूं फोटोग्राफर्स समिति के समस्त सदस्यों की ओर से 26500 रू. की सहयोग राशि रविवार को मृतक फोटोग्राफर की पत्नी को प्रदान की गयी।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल कड़वासरा, संरक्षक रामनिवास सोनी, राजेन्द्र सिंधी, सुभाष जांगिड़, आत्माराम शर्मा, संतकुमार शर्मा, विजय सिंह भेड़ा, सुमेर सिंह, जाकिर हुसैन सहित सभी फोटोग्राफर उपस्थित थे।